चतुर्थ अध्याय
प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

चतुर्थ अध्याय
प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना –

अनुसंधान मेँ प्रदत्त के संकलन सारणीयन तथा संखिकीय विधियों के प्रयोग के बाद प्राप्त निष्कर्षों का विश्लेषण एवं उनकी व्याखाया का महत्वपूर्ण स्थान है इस प्रकिया मेँ प्रदत को इस प्रकार व्यवस्थित करते है की यह समस्या के सबंध मेँ वछित परिणामों को प्रस्तुत कर सके प्रदत्त का विश्लेषण वैज्ञानिक निष्कर्ष पर पहुच जाता है इसके अभाव मेँ प्राप्त सामग्री की कोई उपयोगिता नहीं होती समस्या के सबंध मेँ निश्चित ज्ञान की प्राप्ति हेतु सामग्री का विश्लेषण किया जाना आवश्यक है ।

4.2 प्रददत्तो का सारणीयन

प्रस्तुत शोध अध्याय मेँ प्रदत को स्पस्ट एवं बोध्यगम बनाने के लिए उनका सारणीयन किया गया है सारणियाँ के द्वरा प्रदत्त मेँ सरलता एवं स्ष्टता आती है वर्णात्मक तथ्य अधिक व्यवस्थित होकर प्रदर्शन के योग्य बन जाता है जिससे समझने की सुविधा होती है सारणीयन के साथ मेँ किसी विचारधीन समस्याओ को स्पष्ट करने के उद्देशय से संख्यात्मक तथ्यों को करबद्ध और सुवव्यथित रूप से प्रस्तुत करने की एक विधि है ।

4.3 प्रदत्तो के विश्लेषण का प्रस्तुतीकरण

प्रदत्तो का विश्लेषण शोध का महत्वपूर्ण पक्ष माना जाता है विश्लेषण से प्रदत्त के अर्थ को सुगमता से बोधगम्य बनाया जाता है ।परिणामों के प्रस्तुतिकरण से प्रदत के परिणामों के अर्थ को देखा जा सकता है ।

4.3.1 पदों का विश्लेषण एवं परिणाम –

शोध समस्या के उद्देशय के आधार से पर माध्यमिक स्तर के छात्र – छात्रों की ई कंटेन्ट प्रभावशीलता ,उपलब्धि एवं प्रतिकिया अनलाइन तथा ऑफलाइन स्तर पर तुलना की गई तथा इसका विश्लेषण तार्किक रूप से किया गया ।

तालिका क्र. 4.3.1

	Mean	N	Std. Deviation	Std. ErrorMean

Pair 1	ACHONLINE	53.3667	30	14.42814	2.63421
	ACHOFFLINE	56.0000	30	18.88805	3.44847
Pair 2	ATTONLINE	10.2667	30	5.50193	1.00451
	ATTOFFLINE	8.9333	30	5.13899	93825

Paired Samples Correlation

तालिका 4.3.2

Paired Samples Test

		Paired Differences			
		Mean	Std. Deviation	Std. ErrorMean	95% Confidence ... Lower
Pair 1	ACHONLINE - ACHOFFLINE	-2.63333	24.16678	4.41223	-11.65736
Pair 2	ATTONLINE - ATTOFFLINE	1.33333	5.63446	1.02871	-.77061

तालिका क्र. 4.3.3

Descriptive Statistics

	N	Range	Minimum	Maximum	Sum	Mean	
	Statistic	Statistic	Statistic	Statistic	Statistic	Statistic	Std. Error
ACHONLINE	30	65.00	23.00	88.00	1601.00	53.3667	2.63421
ACHOFFLINE	30	71.00	25.00	96.00	1680.00	56.0000	3.44847
ATTONLINE	30	20.00	1.00	21.00	308.00	10.2667	1.00451

ATTOFFLINE	30	18.00	.00	18.00	268.00	8.9333	.93825
Valid N (listwise)	30						

Descriptive Statistics

	Std. Deviation	Variance
	Statistic	Statistic
ACHONLINE	14.42814	208.171
ACHOFFLINE	18.88805	356.759
ATTONLINE	5.50193	30.271
ATTOFFLINE	5.13899	26.409
Valid N (listwise)		

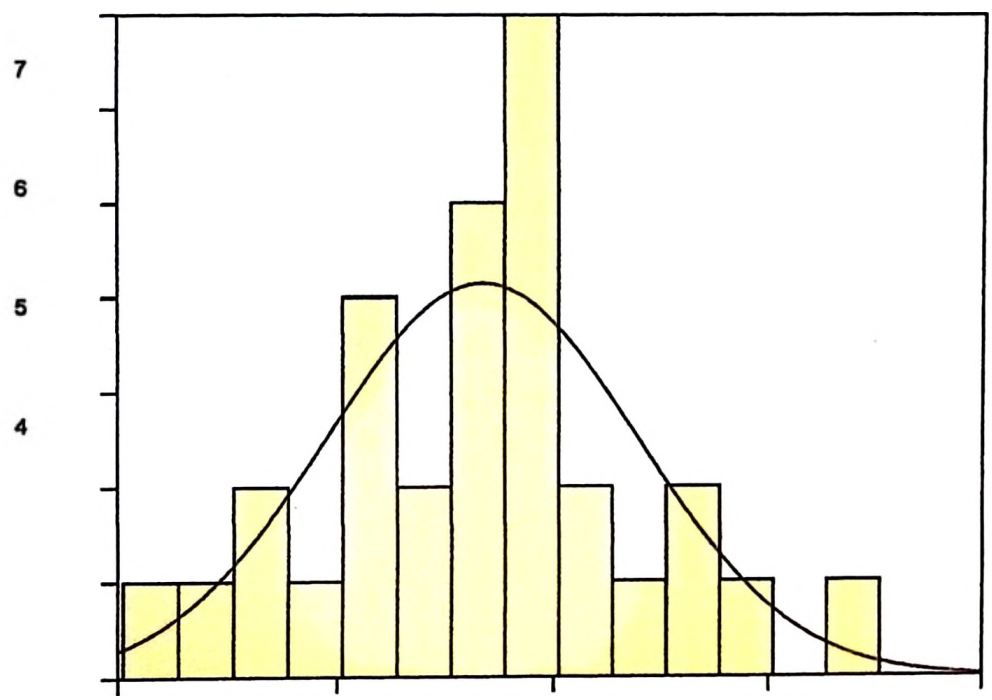

(गुणंक 0.01पर सार्थक)

प्रस्तुत तालिका से प्राप्त परिणाम के आधार पर कह सकते हैं कि 8 वी कक्षा के विधीयर्थी की ई कंटेन्ट की प्रभावशीलता , उपलब्धि और प्रतिकिया के मध्य सार्थक संबंध नहीं हैं r0.32 यह बताता है की यह धनात्मक सह संबंध नहीं है एवं ई कंटेन्ट की प्रभावसीलता ,उपलब्धि और बढ़ाने के साथ साथ प्रतिकिया मे भी परिवर्तन आता है ।उपरोक्त 't' मान को देखते हुए हम कह सकते है की कक्षा 8 वी के छत्र छात्रों की प्रभावशीलता के मध्य सार्थक आंतर नहीं है । तालिका क्रमांक 4.3.1 से स्पष्ट है की विधीयर्थी की ई कंटेन्ट की प्रभावशीलता उपलब्धि के मध्य सह सबंध है अतः ई कंटेन्ट की उपलब्धि बढ़ने से प्रभाबशीलता का मान भी बढ़ता है ।तालिका क्रमांक 4.2 के परिणामों से स्पष्ट होता है की छात्र- छत्रो की ई कंटेन्ट की प्रभावशीलता के मध्य कोई अंतर नहीं है छात्र एवं छात्रों की प्रभावशीलता उनकी बुध्दि लब्धि एवं पठन पाठन संबंधित आदतों का परिणाम होती है । विध्यालयो मेँ आधिगम वातावरण के अवसार दोनों को समान रूप से प्राप्त होते है ।